अग्रवाल महाविद्यालय में गणतंत्र दिवस समारोह

अग्रवाल महाविद्यालय के प्रांगण में 26 जनवरी, 2015 को 66वाँ गणतंत्र दिवस मनाया गया. इस सुअवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में अग्रवाल प्रबन्ध समिति के प्रधान व अग्रवाल विद्या प्रचारिणी सभा के चेयरमैन लाला श्री रतन सिंह गुप्ता उपस्थित थे. इस सुअवसर पर महाविद्यालय प्राचार्य डॉ0 कृष्णकान्त गुप्ता एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री देवेन्द्र गुप्ता (प्रसिद्ध उद्योगपति व अग्रवाल विद्या प्रचारिणी सभा के वरिष्ठ सदस्य), प्रबन्ध समिति के गणमान्य सदस्य एवं महाविद्यालय के समस्त प्रवक्तागण, शिक्षाणेत्तर कर्मचारी एवं एन.एस.एस. के स्वयंसेवक एवं सेविकाएँ उपस्थित थे. महाविद्यालय की एन.एस.एस. की तीनों इकाइयों के अधिकारी श्री रविन्द्र जैन (इकाई प्रथम), श्रीमती किरण आनन्द (इकाई द्वितीय), और श्रीमती रेखा सेन (इकाई तृतीय) के सहयोग से यह कार्यक्रम सम्पन्न हुआ. ध्वजारोहण के पश्चात महाविद्यालय की संगीत विभाग की प्रवक्ता श्रीमती पूजा शर्मा के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों के द्वारा देश भक्ति गीतों के कार्यक्रम प्रस्तुत किये. महाविद्यालय प्राचार्य डॉ0 कृष्णकान्त गुप्ता जी एवं तीनों इकाईयों के अधिकारियों ने पुष्पगुच्छ देकर मुख्य अतिथि का स्वागत किया. मुख्य अतिथि लाला श्री रतन सिंह गुप्ता ने गणतंत्र दिवस की बधाई देते हुए कहा कि युवाओं के सुनहरे भविष्य की कामना की. प्राचार्य महोदय ने अपने उद्‌बोधन में भारत माता की जय जयकार करते हुए व्यक्ति की सोच के साथ–साथ हृदय परिवर्तन एवं देश की उन्नति के लिए प्रण लेने को प्रेरित किया. अंत में प्राचार्य महोदय ने कहा कि "दीपक बुझ–बुझकर जलता है पेड़ कट–कटकर बढ़ता है, मनुष्य सम–विषम परिस्थितियों से निकलकर आगे बढ़ता है"

अन्त में, कार्यक्रम की संचालिका श्रीमती किरन आनन्द ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए, कार्यक्रम के समापन की घोषणा अपनी कुछ इन पक्तियों के साथ की "उम्मीद वक्त का सबसे बड़ा सहारा है, जो हौंसला हो तो मौंजो में भी किनारा है.